



एक नजर

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर आवाजाही शुरू, यात्रा चालू

उत्तरकाशी। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची के निकट पहाड़ी से हुए भूस्खलन से अवरुद्ध हुए मार्ग को बुधवार को फिर से चालू कर दिया है। जानकीचट्टी से यात्रियों को यमुनोत्री के लिए धीरे-धीरे छोड़ा जा रहा है, जबकि यमुनोत्री से वापस आते समय यात्री वैकल्पिक मार्ग से होते हुए जानकी चट्टी पहुंचेंगे। भूस्खलन से बीते सोमवार 4 बजे शाम से बंद पड़े यमुनोत्री पैदल मार्ग को बुधवार 12 बजे बाद यात्रियों के लिए खोल दिया गया। भूस्खलन स्थान पर मालबा, पथर व मार्ग के ऊपर से लुज पथरों को हटा दिया गया है तथा मार्ग को सुरक्षित आवागमन के लिए तैयार किया गया है। जानकीचट्टी में यात्रियों की अधिक तादाद को देखते हुए जानकीचट्टी से यात्रियों को यमुनोत्री धाम के लिए धीरे-धीरे छोड़ा जा रहा है, जबकि यमुनोत्री से वापस आते समय वैकल्पिक मार्ग से होते हुए जानकी चट्टी पहुंचेंगे। सुरक्षा की दृष्टिगत पैदल यात्रा मार्ग पर अलगा-अलग स्थान पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें, स्वास्थ्य विभाग और लोनिव के वाचर तैनात किये गये हैं ताकि तीर्थयात्री निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। जानकीचट्टी से तीर्थयात्री अब नियंत्रित और ऋमबद्ध रूप में यमुनोत्री की ओर प्रस्थान कर रहे हैं तथा यमुनोत्री से वापसी के दौरान तीर्थ यात्री एक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग के माध्यम से जानकीचट्टी पहुंचेंगे।

केबिन में फंसने से चालक की हुई मौत

हरिद्वार। हरिद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर रिसयाबड़ नहर पट्टी के पास मंगलवार आधी रात में ट्रक और कंटेनर की टक्कर हो गई। इसमें कंटेनर का चालक केबिन में फंस गया। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों और पांच किमी लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला। तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। निर्माणाधीन फ्लाई ओवर का सर्विस रोड होने के कारण घटना स्थल काफी संकरा है। इसके चलते दोनों ओर वाहनों की भारी भीड़ जमा हो गई। इससे हाईवे पर गैँडीख़ाता से बाहर पीली तल करीब आठ किमी लम्बा जाम लग गया। दुर्घटना के बाद जाम खुलवाने को लेकर पुलिस के हाथ पर फूल गए।

भाजपा को बड़ा झटका, गोपाल सिंह बिष्ट सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

अल्मोड़ा। पंचायत चुनावों की सरगमियों के बीच जागेश्वर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मंगलवार को भनोली में आयोजित पूर्व सैनिक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह के दौरान भाजपा को तगड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता गोपाल सिंह बिष्ट ने अपने लगभग पांच सौ समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने फूलमालाएं पहनाकर सभी का कोशिस परिवार में स्वागत किया और पार्टी की सदस्यता दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार जनता को लगातार गुमराह कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैजनागरी, भ्रष्टाचार और लूट-खसोट चरम पर है और सरकार निरर्थक पंचायत चुनाव को टालने के प्रयासों में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में न तो पारदर्शिता है और न ही जवाबदेही।

सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए

मानसून सत्र में लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में अधिनियम लाया जाएगा

देहरादून। सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में मानसून सत्र में अधिनियम लाने की तैयारी की जाए। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि की प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लोकतंत्र सेनानियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। सीएम ने संबंधित सचिव को लोकतंत्र सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम धामी ने कहा कि

आपातकाल लागू करना लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप से कम नहीं था: उपराष्ट्रपति

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि, पचास वर्ष पहले, इसी दिन, विश्व का सबसे पुराना, सबसे बड़ा और अब सबसे जीवंत लोकतंत्र एक गंभीर संकट से गुजरा। यह संकट अप्रत्याशित था – जैसे कि लोकतंत्र को नष्ट कर देने वाला एक भूकंप। यह था आपातकाल का थोपना। वह रात अंधेरी थी, कैबिनेट को किनारे कर दिया गया था। उस समय की प्रधानमंत्री, जो उच्च न्यायालय के एक प्रतिकूल निर्णय का सामना कर रही थी, ने पूरे राष्ट्र की उपेक्षा कर, व्यक्तिगत हित के लिए निर्णय लिया। राष्ट्रपति ने संवैधानिक मूल्यों को कुचलते हुए आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद जो 21–22 महीनों का कालखंड आया, वह लोकतंत्र के लिए अत्यंत अशांत और अकल्पनीय था। यह हमारे लोकतंत्र का सबसे अंधकास्य काल था।

कुमाऊँविश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड में स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हज़ारों लाख चालीस हजार लोगों को जेलों में डाल दिया गया। उन्हें न्याय प्रणाली तक कोई पहुँच नहीं मिली। वे अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर सके। नौ उच्च न्यायालयों ने साहस दिखाया और कहा – आपातकाल हो या न हो – मौलिक अधिकार स्थगित नहीं किए जा सकते। हर नागरिक के पास

न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए अपने अधिकारों को प्राप्त करने का अधिकार है। दुर्भाग्यवश, सर्वोच्च न्यायालय – देश की सर्वोच्च अदालत – धूमिल हो गई। उसने नौ उच्च न्यायालयों के निर्णयों को पलट दिया। उसने दो बातें तय की – आपातकाल की घोषणा कार्यपालिका का निर्णय है, यह न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है। और यह भी कि आपातकाल की अवधि भी कार्यपालिका ही तय करेगी। साथ ही, नागरिकों के पास आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होंगे। यह जनता के लिए एक बड़ा झटका था। संविधान हत्या दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि, हज़ुवाओं को इस पर चिंतन करना चाहिए क्योंकि जब तक वे इसके बारे में जाँचेंगे नहीं, समझेंगे नहीं। क्या हुआ था प्रेस के साथ? किन लोगों को जेल में डाला गया? वे बाद में इस देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बने। वही कारण है कि युवाओं को जागरूक बनाना जरूरी है, आप लोकतंत्र और शासन व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। आप इस बात को भूल नहीं सकते और न ही इस अंधकास्य कालखंड से अनभिज्ञ रह सकते हैं। बहुत सोच-समझकर, आज की सरकार ने तय किया कि इस दिन को ह्रासविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह एक ऐसा उसव होगा जो सुनिश्चित करेगा कि ऐसा फिर कभी न हो। यह उन दोषियों की पहचान का भी अवसर



होगा जिन्होंने मानवीय अधिकारों, संविधान की आत्मा और भाव को कुचला। वे कौन थे? उन्होंने ऐसा क्यों किया? और सर्वोच्च न्यायालय में भी, मेरे मित्र सहमत होंगे, एक न्यायाधीश – एच.आर. खन्ना – ने असहमति जताई थी और अमेरिका के एक प्रमुख समाचार पत्र ने टिप्पणी की थी कि जब भारत में फिर से लोकतंत्र लौटेगा, तो एच.आर. खन्ना के लिए अवश्य एक स्मारक बनेगा जिन्होंने अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया। परिसर आधारित शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि, हृशैक्षणिक

संस्थान केवल डिग्रियाँ या प्रमाणपत्र प्राप्त करने के स्थान नहीं हैं। अन्यथा वचुं अल लर्निंग और परिसर आधारित लर्निंग में अंतर क्यों होता? आप जानते हैं, आपके साथियों के साथ बिताया गया समय आपके सोचने के तरीके को परिभाषित करता है। ये स्थान वह परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए हैं जिसकी आवश्यकता है, जो परिवर्तन आप चाहते हैं, जो राष्ट्र आप चाहते हैं। ये विचार और नवाचार के स्वाभाविक जैविक स्थल हैं। विचार आते हैं, लेकिन विचारों पर विचार होना भी जरूरी है। अगर कोई विचार असफलता के

खर से आता है, तो आप उसमें नवाचार या प्रयोग नहीं करते। तब हमारी प्रगति रुक जाती है। ये वे स्थान हैं जहाँ दुनिया हमारे युवाओं से इन्श्या करती है – उनके पास न केवल अपना भविष्य गढ़ने का अवसर है, बल्कि भारत की निर्यात गढ़ने का भी। और इसलिए, कृपया आगे बढ़िए। एक कॉर्पोरेट उत्पाद की टेगलाइन है जिसे आप जानते होंगे – पूर्व छात्रों और उनके योगदान के महत्व को रेखांकित करते हुए धनखड़ ने कहा, पिछले 50 वर्षों में आपके पास बड़ी संख्या में पूर्व छात्र हैं, किसी संस्थान के पूर्व छात्र उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण घटक होते हैं। आप सोशल मीडिया या गूगल पर देखिए – कई विकसित देशों के संस्थानों के पास 10 अरब डॉलर से अधिक का पूर्व छात्र फंड है। किसी के पास तो 50 अरब डॉलर से अधिक का भी है। यह कोई एक बार में नहीं आता, यह बूंद-बूंद से जमा होता है। मैं उदाहरण दूँ – यदि इस महान संस्थान के 1,00,000 पूर्व छात्र हर साल केवल 10,000 का योगदान करें, तो सालाना राशि 100 करोड़ रुपये होगी और सोचिए अगर यह हर साल होता रहे, तो आपको कहीं और देखने की आवश्यकता नहीं होगी। आप आत्मनिर्भर होंगे। यह आपको संतोष देगा। साथ ही, पूर्व छात्र अपने अलमा मैटर से जुड़ सकेंगे। वे आपको मार्गदर्शन देंगे – वो आपको संभालेंगे। इसलिए मैं आग्रह करता हूँ कि देवभूमि से पूर्व छात्र संघ की

शुरुआत हो। कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कुमाऊँ विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बीते पचास वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान की रोशनी पहुँचाने का भी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के युवाओं को नवाचार, अनुसंधान और नेतृत्व के लिए निरंतर प्रेरित करता रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसकी 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारपरक कौशल, उद्यमशीलता और सामाजिक चेतना से युक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वैश्विक क्षितिज की ओर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षित करना नहीं, बल्कि युवाओं को प्रेरित, प्रशिक्षित और उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। वे केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि व्यक्तित्व गढ़ते हैं, नेतृत्व को जन्म देते हैं और विचारों में संस्कारों का सिंचन करते हैं।

अनियंत्रित कार नहर में गिरी , एक नवजात समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के दौरान बुधवार सुबह एक अनियंत्रित कार के नहर में गिरने से एक नवजात समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह हादसा बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय हुआ, जब एक परिवार के सदस्य चार दिन पहले हल्द्वानी के सुशीला तिवाड़ी अस्पताल में जन्मे बच्चे को लेकर कार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा और पलट गया। मुश्किलें तब और बढ़ गई जब वह वाहन एक पुल के नीचे फंस गया, जिससे वाहन में पानी भर गया और 7 में से 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों के चार दिन पहले जन्मा बच्चा और उसके पिता भी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार परिवार उमरसिंह नगर जिले के किच्छा थानाक्षेत्र के वरा गांव का रहने वाला है, और हल्द्वानी में सच्चे के जन्म के बाद घर लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक कार रास्ते



में दमकल विभाग के पास अनियंत्रित होकर एक नहर में जा गिरी। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जिनमें नवजात शिशु के अलावा उसके पिता राकेश (32), नानी कमला देवी (50) और बच्ची की ताई नीतू (36) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि नवजात की माँ रमा (27) दुर्घटना में घायल हो गई है जबकि अन्य घायलों की पहचान नीतू के पति रमेश

(39) और कार चालक श्यामलाल (40) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घायलों को सुशीला तिवाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में दुर्घटना का कारण कार की तेज गति और चालक का वाहन पर से नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए उपर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक मुस्लिम व्यक्ति को 5 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दे, जिस पर उत्तर प्रदेश विधि विद्वद् धर्म प्रतियोगि अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. उसे जमानत बांड भरने के बाद भी एक तकनीकी आधार पर रिहा नहीं किया गया था. बांड भरने के 28 बाद रिहाई संभव हुई थी.न्यायमूर्ति के जी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोरेश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'भारवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैं?' न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की, जो स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है.

गर्जनावादा जेल के जेल अयोगक्षक पीठ के जेल अयोगक्षक रूप से उपस्थित थे. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि जब मामले और न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया.

उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता



गर्जनावादा और उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कार्याग पीसी मीना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए.

गर्जनावादा जेल के जेल अयोगक्षक पीठ के जेल अयोगक्षक रूप से उपस्थित थे. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि जब मामले और न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया.

उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता

दिया कि वह उनके द्वारा दिए गए इस तर्क को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं है कि कैदी को रिहा नहीं किया गया क्योंकि जमानत आदेश में एक विशेष प्रावधान का उल्लेख नहीं किया गया था.न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए कहा, अदालती आदेशों पर टिप्पणी करना और इस बहने उन्हें लागू न करना तथा व्यक्ति को सलाखों के पीछे रखना कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा होगी. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने मीना से पूछा, इस बात की क्या गारंटी है कि इस कारण से कई अन्य लोग कष्ट में नहीं हैं? आदेश इसी न्यायालय द्वारा दिया गया है. आदेश में सही धारा का उल्लेख है और धारा में कई उपधाराएं होंगी. क्या आपके अनुभव में यह कोई वैध आपत्ति है? अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आया क्या करने का प्रस्ताव रखते हैं? मीना ने पीठ को आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एक अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के उपाय किए जाएंगे. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिककर्ता की रिहाई में 28 दिनों की देरी को

जुर्माना लगाया

दुर्भाग्यपूर्ण और बेतुका बताया. पीठ ने कहा, 28 मई की सुबह से लेकर काल शाम तक, जब उसे रिहा किया गया, स्वतंत्रता से वंचित किए जाने के इस स्वीकृत तथ्य पर हम एक तदर्थ आंकड़े पर पहुंचेंगे, जो अंतिम होगा और हम उस राशि के अनुपात के लिए इसे शुल्कार को रखेंगे.याचिककर्ता की रिहाई में देरी की पृष्ठभूमि में, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि स्थिति को सुधारने का एकमात्र तरीका तदर्थ मौद्रिक मुआवजे का आदेश देना है. राज्य सरकार को 5 लाख रुपये की राशि का भुगतान करने और 27 जून को अनुपालन रिपोर्ट देने का आदेश दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि जांच रिपोर्ट में अधिकारियों पर कोई जिम्मेदारी तय की जाती है, तो उनसे मुआवजा वसूला जाएगा. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिककर्ता की रिहाई में देरी की निंदा करते हुए कहा, हमें नहीं पता कि इस आधार पर कितने लोग जेल में सड़ रहे हैं...जबकि उनके उमानन पर रिहा करने का वैध आदेश है और उसने एक महीने बाद जमानत पेश की है...उसकी स्वतंत्रता की गारंटी देने का वैध आदेश है.

एक्सओम-4 मिशन की सफल लॉन्चिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

नईदिल्ली, शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सओम-4 मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैंडी स्पेस सेंटर से यह मिशन स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से खाना हुआ। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड के कुल 4 अंतरिक्ष यात्री इस मिशन का हिस्सा हैं। शुक्र केंद्रन शुक्ला को इस मिशन में पायलट की भूमिका मिली है। इस मिशन की लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम को एक्स पोस्ट में शुभकामनाएं दी। एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम इस अंतरिक्ष मिशन की सफल लॉन्चिंग का स्वागत करते हैं, जिसमें भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक बताया और कहा, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्र केंद्रन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे की ओर बढ़ रहे हैं। यह मौका देश के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि 4 क्षण बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में शुक्ला की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा, वह अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की इच्छाएं, सपने और उम्मीदें लेकर गए हैं।

यह मेरी नहीं, भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत है

—एक्सओम-4 मिशन लॉन्च के बाद शुभांशु शुक्ला का देश के लिए पहला संदेश

नईदिल्ली,शुभांशु शुक्ला एक्सओम-4 मिशन के तहत 3 अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए खाना हो गए हैं। यह मिशन आज दोपहर 12:01 बजे अमेरिका के कैंनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया। सफलतापूर्वक मिशन लॉन्च होने के बाद शुक्ला ने अंतरिक्ष यान से भारत के लिए तिरंगा है, जो बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूँ, बल्कि आप सब मेरे साथ हैं। हिंदी में बोलते हुए अपना पहला संदेश भेजा, जिसने पूरे देश को गर्व और खुशी से भर दिया है। अंतरिक्ष से भारत के लिए अपने पहले संदेश में शुक्ला ने कहा, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों, यह शानदार यात्रा थी... 41 साल बाद हम



फिर से अंतरिक्ष में हैं। इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा है, जो बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूँ, बल्कि आप सब मेरे साथ हैं। उनका यह संदेश पूरे देश में गर्व और भावुकता से भरा हुआ पल बन गया। उन्होंने आगे कहा, वह मेरी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन तक की यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है।

सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए

मानसून सत्र में लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में अधिनियम लाया जाएगा

देहरादून। सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में मानसून सत्र में अधिनियम लाने की तैयारी की जाए। मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि की प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लोकतंत्र सेनानियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। सीएम ने संबंधित सचिव को लोकतंत्र सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम धामी ने कहा कि

करीब 100 वर्षों के इतिहास में 25 जून 1975 का दिन हमेशा एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। 50 वर्ष पूर्व इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था और संविधान की आत्मा को कुचलने का प्रयास किया गया था। और यह सब एक व्यक्ति की हठधर्मिता और तानाशाही रवैए का परिणाम था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी को चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए उनकी लोकसभा सदस्यता को निरस्त कर दिया गया था। सत्ता छिन जाने के थप से 25 जून की रात को भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में आपातकाल की घोषणा करवा दी गई। भारतीय संसद का गला घोट दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को बंद कर दिया गया और न्यायपालिका की गरिमा तार-तार कर लाखों देशवासियों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में सत्ता के नशे में डूब कर तत्कालीन सरकार ने सभी विपक्षी नेताओं, सैंकड़ों पत्रकारों से सहित हर उस आवाज का निर्ममता से दमन किया जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठ रही थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल कर

मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी को चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराते हुए उनकी लोकसभा सदस्यता को निरस्त कर दिया गया था। सत्ता छिन जाने के थप से 25 जून की रात को भारत जैसे महान लोकतांत्रिक देश में आपातकाल की घोषणा करवा दी गई। भारतीय संसद का गला घोट दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को बंद कर दिया गया और न्यायपालिका की गरिमा तार-तार कर लाखों देशवासियों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में सत्ता के नशे में डूब कर तत्कालीन सरकार ने सभी विपक्षी नेताओं, सैंकड़ों पत्रकारों से सहित हर उस आवाज का निर्ममता से दमन किया जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए उठ रही थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल कर

पूरे देश को एक खुली जेल बना दिया गया था।मिसा और डीआईआर जैसे काले कानून को थोपकर हजारों लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में दंस दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण, श्रद्धेय नानाजी देशमुख और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं ने जेलों में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति युवाओं में चेतना जागृत करने का प्रयास किया। सत्ता के दमन का प्रतिकार करते हुए देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने तानाशाही के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर लोकतंत्र के पक्ष में जनजागरण प्रारंभ कर दिया। दिल्ली, बनारस, इलाहाबाद, पटना, जयपुर, पुणे, बेंगलुरु जैसे कई शहरों के अनेकों शैक्षणिक संस्थानों से शुरू हुआ विरोध धीरे-धीरे राष्ट्रव्यापी जनक्रांति में बदल

गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित अनेकों सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने भी अपना पूरी शक्ति से लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए आंदोलन चलाया। हजारों युवाओं ने जेल जाना स्वीकार किया, यातनाएं सहनीं, लेकिन अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया। आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1977 के उस आम चुनाव में देश की जनता ने पहली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार को चुनकर लोकतंत्र की नई सुबह का सूनपात किया। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई के बाद वो दूसरी सबसे बड़ी जनक्रांति थी जिसने भारत को सत्ता के एकाधिकार से मुक्ति दिलाने का कार्य किया था।हमारे

सम्पादकीय अधिकारियों के गांव

उत्तराखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र एवं इनमें उपस्थित गांव के कायाकल्प के लिए जरूरी है कि यहां समुचित योजनाएं कारगर तरीके से चलाई जाए तो वहीं साथ ही गांव के विकास के लिए कुशल पर्यवेक्षक भी सुनिश्चित किया जाए। हालांकि पंचायत स्तर पर ग्रामीण विकास के कार्य संचालित होते हैं लेकिन इधर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आग्रह पर प्रदेश के नवनियुक्त आईएसएस अधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रथम क्षेत्र के गांव को गोद लेने का संकल्प लिया है जिसके तहत इन अधिकारियों ने 40 गांव विकास की दृष्टि से गोद लिए हैं। भारत ग्रामीण पृष्ठभूमि का देश है और पहाड़ों के गांव भी कृषि विकास की भूमिका निभाते हैं। गांवों का कायाकल्प होने से विकसित प्रदेश और विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। विषम परिस्थितियों से जूझते उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्र के गांव आज भी विकास की गति में कहीं ना कहीं पिछड़े हुए हैं या फिर बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। राज्य गठन के बाद ग्रामीण क्षेत्र की आंधी की से पलायन देखने को मिला तो वही सरकार अधिकारियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को एक बार पुनः विकास के मार्ग पर ले जाने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री की पहल पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लेने का जिम्मा सौंपा गया है। योजना के तहत अधिकारियों ने गोद लिए गांवों के विकास के लिए काम करना शुरू कर दिया है। कई अधिकारियों ने गांवों में रात्रि प्रवास के दौरान ग्रामीणों के जनजीवन और उनकी समस्याओं को समझा है। ग्रामीण क्षेत्र एवं ग्रामीणों की समस्याओं पर अधिकारियों के फीडबैक से प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए अभियान चलाकर काम करेगी। सीएम के खास आग्रह पर आईएसएस अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्र के प्रति अपनी भागीदारी निभाने का निर्णय लिया है और 40 वरिष्ठ आईएसएस अधिकारियों ने अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लिया। अपनी इस जिम्मेदारी के तहत अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए जारी होने योजनाएं एवं धनराशियां क्या शत प्रतिशत प्रयोग में लाई जा रही है या फिर ग्रामीण क्षेत्र के विकास की गति में कैसे सुधार लाया जा सकता है। अधिकारियों की ओर दूरस्थ गांवों के विकास की योजना तैयार किए जाने से गांवों का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो सकेगा, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रक्रिया अनवरत तौर पर चलती रहे अन्यथा इससे पहले भी नेताओं द्वारा विभिन्न गांवों को गोद लेने की बातें सामने आ चुकी हैं।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की ज़िंदगी को बड़े पर्दे पर लाने की चर्चा हो रही है, जिसके लिए मुख्य अभिनेत्री से जुड़ी नई-नई खबरें सामने आती रहती हैं। पहले मीना की भूमिका के लिए कृति सेनन से संपर्क किया गया था। चर्चा थी कि वह फिल्म के लिए हामी भी भर चुकी हैं। अब ताजा खबर यह है कि मीना की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक की होरोइन कियारा होंगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उससे संपर्क किया है। निर्माताओं ने कियारा को फिल्म की रीस्क्र सुना दी है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। निर्माताओं का मानना है कि मीना की भूमिका के लिए कियारा सही विकल्प हैं। निर्माताओं ने कियारा को निर्देशन की कमान फिल्म



महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने संभाली है। काम के मोर्चे पर बात करें तो कियारा जल्द ही फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में ऋतविक रोशन और

गजेंद्र सिंह शेखावत पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ 'देखा ही नहीं गया है – बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ 'परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवाता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्बलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरूप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फ़ीनिक्स की तरह उभरा – 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गुंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज़्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था,

मतीअन्नपूर्णा देवी

चाहे वह बौद्धरूम हो या बुद्धभूमि – मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक पहचानें ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है।

योग की जन्मस्थलीभारत में आज भी इस प्राचीन जीवाणुशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिएएक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकारकियाजाता है।भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है–‘योगः कर्मसु कौशलम्;अर्थात् 'योग कर्मों में कौशल है।'भगवान श्रीकृष्ण कास्थष्टसंदेश है कि–सच्चायोग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वकनिभाते हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समायम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)–संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्वड़ि को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र – भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें – ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने न्यायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत संकिंट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014–15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपये की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपये के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ी गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपये की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य : योग से बदलता परिदृश्य

के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून कोअंतरराष्ट्रीय योग दिवसघोषित कियागया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्धकरता है।

इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगहैह जोकि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि योग किसी कॉर्पोराइट, पेंटेड या रॉलवूटी से मुक्त है। यह लचीला है – आप इसे अकेले,समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं। जैसे-जैसे हमारा राष्ट्रविकसितभारतबननेकी दिशा में



इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से, भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी – जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024–25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएसएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनवरण की गई स्ट्रेच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको–टूरिज्म पार्क, टेस्ट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं – जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं। भारत का सभ्यतागत

आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वागणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही – यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्लब, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकीशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पृ्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विषणण को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया।

से सामना करनेमेंसक्षमबनतीहैं । प्रसवपूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान करने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मकसहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है।

महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारों, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का

प्रमुख आतिथ्य अवसरचना परियोजनाओं में 2014–22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपये (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र में 2023–24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थी – इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा।

पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाईज योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उद्घाटन योजना ने शिरडी, ज़ीरो और मिनिर्काय जैसे दूर–दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटे-फ़ॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पृ्वोत्तर– जो कभी उपेक्षित था– मुकुट के एक र प्रतिशत के रूप में उभरा। एट्र ईस्ट नीति और अवसरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरणचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किंवधु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकाशपूर्ण हो गया। भारत में विवाह, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसरचना के समर्पण में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी

मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी–20 अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 60 से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान–पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ 'संवाद नहीं कर रही थी – बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए युग में, पर्यटन मौसमी नहीं है – यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ 'स्वागत नहीं किया – बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं और जैसे सीमावर्ती गांव उसकुल का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसरचाा है, जहाँ की आप यात्रा करते हैं – यह एक ऐसा देश है, जहाँ आप कुछ शाश्वत की तलाश में बार–बार वापस आते हैं।

लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारत के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

—टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

हेडिंग्ले (लीड्स)। इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड, लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा. इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने मैच की पहली और दूसरी पारी में कुल 5 शतक लगाए, लेकिन फिर भी टीम इंडिया मैच बचाने में नाकाम रही. इंग्लैंड ने 5वें और आखिरी दिन सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के शानदार शतक की मदद से चौथी पारी में 371 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया. इंग्लैंड ने टेस्ट इतिहास का 10वां सबसे बड़ा रन चेज पूरा कर लिया. साथ ही यह भारत के खिलाफ टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी है. पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 2 शतक लगाए के बावजूद भारत एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के लिए खेलें गए पहले टेस्ट मैच को हार गया. इस करारी हार के साथ ही भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज कर लिया



है जो पहले कभी नहीं देखा गया. 148 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कोई टीम 5 व्यक्तिगत शतक लगाने के बाद भी टेस्ट मैच हार गई. यह पहली बार था जब भारत ने एक टेस्ट मैच में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए, साथ ही यह छठा मौका था जब किसी टीम ने दोनों पारियों में 5 व्यक्तिगत शतक लगाए. हालांकि, पिछले 5 मौकों में से किसी में भी कोई टीम

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक डेब्यू में जीता गोल्ड मेडल

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य),दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया है. चोपड़ा ने मंगलवार को प्रतिष्ठित ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में पहली बार गोल्ड मेडल जीता, जो विश्व एथलेटिक्स कान्टिनेंटल टूर श्रेणी ए इवेंट है. हालांकि नीरज अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से चूक गए, लेकिन उन्होंने 9 पुरुषों के बीच आसानी से अपना दबदबा बनाया. खास बात यह है कि उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर इस इवेंट में नहीं थे.

दक्षिण अफ्रीका के डॉव स्मिथ ने 84.12 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, जबकि उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटरसन को पछाड़ दिया, जिन्हें 83.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के



साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. भारतीय भाला फेंक स्तर ने इस इवेंट में अपने प्रदर्शन में काफी

निरंतरता दिखाई. उन्होंने 4 वैध श्रो दर्ज किए, और वे सभी 80 मीटर के निशान से परे थे. आखिरी श्रो से वे उत्साहित थे और उन्होंने ओस्ट्रावा के दर्शकों से अपने आखिरी प्रयास के लिए उनका साथ देने का अनुरोध किया, लेकिन बड़े फिनिश की उनकी योजनाएं धरों की धरी रह गई क्योंकि वे आगे बढ़ गए, जिसके परिणामस्वरूप फाउल हुआ. नीरज के लिए निर्णायक क्षण उनके तीसरे प्रयास में आया क्योंकि वे दूसरे प्रयास तक दूसरे स्थान पर थे. हालांकि, उन्होंने तीसरे श्रो में 85.29 मीटर का श्रो किया और इसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक पक़ा कर लिया. उसके बाद कोई भी 85 मीटर के निशान के करीब नहीं आ पाया और उन्होंने शानदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता.

एक नजर

समिति ने जिलाधिकारी को गिनवाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: नगरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समित पौड़ी ने बुधवार को डीएम से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं को लेकर जापन दिया और इनके निराकरण की गुहार भी लगाई। समिति के पदाधिकारियों ने निर्माणधीन पॉलीटेक्निक भवन पर कार्य के एक साल से बंद होने, देवार में सीएम घोषणा के अनुरूप एनसीसी अकादमी का निर्माण किए जाने सहित समस्याओं पर कदम उठाने की मांग की। डीएम से मुलाकात के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि देवार में पूर्व सीएम त्रिवेद्र सिंह रावत ने कोट ब्लॉक के देवार में एनसीसी अकादमी की घोषणा की थी इसके लिए टोकन मनी भी जारी हुई लेकिन इस पर काम आज तक शुरू नहीं हो पाया।पौड़ी में एक साल से पॉलीटेक्निक भवन पर काम नहीं हो रहा है। पौड़ी पालिका ने श्रीनगर रोड पर स्लाटर हाउस तो बनाया, लेकिन इसका संचालन नहीं होने से इस चार मंजिला भवन साथ ही पौड़ी वस अट्ठे के भूतल पर बने टेक्सी स्टैंड में पानी सीवर का गंदा पानी बह रहा है इससे राहगीरों और यात्रियों को परेशानियों हो रही हैं। डीएम से इन समस्याओं पर जल्द ही कदम उठाने की गुहार लगाई गई। डीएम स्वाति भदौरिया ने कहा कि समिति के साथ बैठक इन समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सचिव गवर सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष मकान सिंह, निरीश बड़धवाल, भगवान सिंह, सुरेंद्र सिंह रावत, प्रशान्त नेगी, नरेश चंद नौडियाल, पुष्कर सिंह आदि शामिल रहे।

यातायात नियमों की अनदेखी, किए चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: पौड़ी पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत नेरो में ड्राइविंग करने पर आठ वाहनों को सीज कर दिया जबकि ओवर स्पीड रैश ड्राइविंग आदि यातायात नियमों के उल्लंघन पर 119वाहनों को चालान भी किए। पौड़ी के एसएसपी लार्केश्वर सिंह ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर जिलेभर में पुलिस का चेकिंग कर सख्त कार्रवाई अमल में ला रही है। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने पर कोतवाली कोटद्वार और थाना लक्ष्मणझुला में 3-3 जबकि कोतवाली श्रीनगर टीम ने 2 वाहनों को पकड़ा। जिस पर वाहनों को सीज कर दिया गया जबकि चालकों के डीएल निरस्त कर दिए गए हैं। रैश ड्राइविंग और ओवर स्पीड में 26 वाहनों के चालन किए गए। जबकि अन्य यातायात नियमों के उल्लघन पर पुलिस ने 85 वाहनों के एमवी एक्ट में चालानी कार्रवाई अमल में लाई गई।

डीएफओ बोले, गुलदार को लेकर अलर्ट रहे ग्रामीण

टिहरी। बरसात के मौसम में मानव–जीव संघर्ष बढ़ने की संभावना को देखते हुए डीएफओ टिहरी डिवीजन पुनीत तोमर ने कहा कि आने वाले सितंबर–अक्टूबर तक ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अहतियात बरतने की जरूरत है। खासकर प्रतापनगर व घनसाली के घने वनों से आच्छादित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को तत्परता दिखाना जरूरी है। प्रकाशों से बातचीत करते हुए डीएफओ तोमर ने कहा कि बरसात के दिनों में जंगलों व ग्रामीण क्षेत्र में झाड़ुयों के उगने से मानव–जीव संघर्ष की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में ग्रामीण आसपास झाड़ुयों का नियमित कटान करें, ताकि जानवरों को छुपने व घात लगाने की जगह न मिले। अकेले में न निकलें और बच्चों को शाम को या अंधेरे में अकेल न छोड़ें, न ही बाहर जाने दें।

बीते दो दिन पहले ही प्रतापनगर के एक गांव में घर के आंगन में बच्चे पर गुलदार के हमले की घटना सामने आ चुकी है। जिसे लेकर गुलदार संभावित ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में बंदरों के आतंक पर कहा कि नगर क्षेत्र के मौहल्ले में लोग बंदरों या जंगली जानवरों को खाना न परोसें, बंदरों से पर्याप्त दूरी बनाये रखें। बंदरों से बचाव के लिए शहरी क्षेत्र के मौहल्ले में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा और नगर पालिका को बंदरों के कपड़ेने के लिए अभियान चलाने को कहा जायेगा।

बी फार्मा की फीस बढ़ाने का विरोध

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की अकस्मिक बैठक में बी–फार्मा सेल्फ फाइनेंस विषय की फीस बढ़ाने को लेकर विचार किया गया। मामले पर विवि के छात्रसंघ अध्यक्ष जयवंत सिंह रण्णा ने आपत्ति दर्ज की। कहा कि वर्ष 2020 तक वाइस चैंस 32 हजार के करीब ली जाती थी, जिसे बढ़ाकर 42900 रुपये कर दिया गया।

लोकनिर्माण विभाग ने देवी रोड से हटाया अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: बुधवार शाम लोकनिर्माण विभाग ने देवी रोड में सड़क किनारे फुटपाथ वाले स्थान पर बने अतिक्रमण को ध्वस्त किया। इस दौरान व्यापारियों ने लोकनिर्माण विभाग की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। कहा कि बरसात में सड़क किनारे जलभराव की स्थिति हो सकती है। जिससे आमजन को परेशानी होगी।

देवी रोड पनियाली गंदेरे पर बनी पुलिया से मोटर नगर के समीप तक अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। लोकनिर्माण विभाग ने जेसीबी मशीन की मदद से सड़क किनारे व्यापारियों द्वारा बनाई गई स्लैब को ध्वस्त किया।

अभियान के दौरान व्यापारियों ने लोकनिर्माण विभाग की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। लेकिन, लोनिवि की सख्ती के आगे उनकी एक न चल सकी। व्यापारियों का कहना था कि वर्तमान में

कुलपति ने पौड़ी परिसर का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी: हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल के द्रीय विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने पौड़ी परिसर निरीक्षण किया। इस दौरान कुलपति ने परिसर के सभी विभागों, पुस्तकालयों और छात्रावासों का निरीक्षण किया। साथ ही कुलपति ने छात्रों से सीधा संवाद भी किया। विश्वविद्यालय के पौड़ी परिसर पहुंचे कुलपति प्रो.प्रकाश सिंह ने शैक्षणिक और प्रशासनिक माहौल को बेहतर बनाने निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कार्मिकों से छात्र केंद्रित कार्यशैली अपनाने पर भी जोर दिया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हस्तभव सहयोग करेगा। कुलपति ने कहा कि शैक्षिक गतिविधियों को विस्तार दिया जाए



कोटद्वार के देवी रोड में सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाती लोकनिर्माण विभाग की जेसीबी मशीन

बरसात का समय चल रहा है। ऐसे में लोकनिर्माण विभाग ने दुकानों के आगे से स्लैब को ध्वस्त कर समस्या खड़ी कर दी है। ऐसे में दुकानों के बाहर जलभराव

क्षय रोगियों को बांटी राशन किट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: दर्पण वेलफेयर सोसाइटी की ओर से राजकीय बेस चिकित्सालय में कार्य राशन किट बितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षय (टीबी) रोगियों को राशन किट वितरित किए गए। सोसाइटी के अध्यक्ष त्रिलोक जुयाल व सचिव किरण जुयाल राशन किट लेकर राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने उपचाराधीन क्षय (टीबी) रोगियों को पौष्टिक आहार के राशन किट वितरित किए गए। त्रिलोक जुयाल ने बताया कि टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाना उनके उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, कहा कि दर्पण वेलफेयर सोसाइटी उसी दिशा में सार्यक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य जरूरतों तक मदत पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। कहा कि उनका यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। चिकित्सालय प्रशासन ने दर्पण वेलफेयर सोसाइटी की के इस प्रयास की सराहना की है। कहा कि सामाजिक संगठनों की भी दर्पण सोसाइटी से प्रेरणा लेनी चाहिए।

गिर्वाईस्रोत में हो रही दूषित पेयजल आपूर्ति

जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: भले ही जल संस्थान क्षेत्र में शुद्ध जल आपूर्ति के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि आज भी लोगों के घरों में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। हालत यह है कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गिर्वाईस्रोत में पिछले कई माह से दूषित पानी आ रहा है। बरसात के मौसम में यह समस्या और अधिक बढ़ गई है। पानी में कीचड़े तक आने लगे हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि वह इस संबंध में कई बार जल संस्थान से शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन, अब तक हालत कुछ के तस बने हुए हैं।

गिर्वाईस्रोत मोहल्ले के लिए पांचवे मील के समीप स्थित जल संस्थान के फिल्टर प्लांट से पेयजल की व्यवस्था बनाई गई है। लेकिन, पिछले लंबे समय से क्षेत्र में लगातार दूषित पेयजल आपूर्ति हो रही है।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से 52 से अधिक गांव में जल संकट से परेशान

टिहरी। भागीरथी पर बनी कोटेश्वर झण्डीधार पेयजल योजना में विद्युत आपूर्ति बार–बार बाधित होने से 52 से अधिक गांवों को जल संकट से जूझना पड़ रहा है। इसके चलते पौड़ीखाल क्षेत्र की चड़ी आबादी हैंड पंपो के भरोसे कोटेश्वर झण्डीधार जुटने को मजबूर है। क्षेत्र में कई प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने से भी यहाँ पेयजल की किल्लत और गहय गई है। इसका खंड देवघराय में पौड़ी खाल क्षेत्र की 24 ग्राम पंचायतों के लिए भागीरथी पर कोटेश्वर झण्डीधार पम्पिंग योजना का निर्माण किया गया था। इसके तहत झण्डीधार में 8 लाख व पंचूर में 3 लाख

मानसून से पहले हर स्थिति से निपटने के लिए रहें तैयार: डीएम जैन

रुद्रप्रयाग। मानसून सीजन को देखते हुए नवनियुक्त जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने महत्वपूर्ण विभागों की बैठक ली जिसमें उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि किसी भी आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियां पूरी कर ली जाएं। आपदा की किसी भी स्थिति में निपटने के लिए पूरी तैयारी और तैजजाम किए जाएं। ताकि जनता को किसी तरह की दिक्कत न हो। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, जल संस्थान, लोनिवि, पीएमजीएसवाई, डीडीआरएफ, खाद्य व विकास आदि विभागों के अफसरों को जरूरी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने लोनिवि, पीएमजीएसवाई और एनएच को निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर भू–स्खलन वाले चिह्नित स्थानों पर जेसीबी रखते हुए ऑपरेटर मुस्तैद किए जाएं। बारिश से भू–स्खलन के चलते मार्ग बाधित होने पर आपसी समन्वय बनाकर तत्काल कार्य करते हुए मार्ग सुचारु किया जाए। निर्देश दिए कि ऐसे प्राइवेट संस्थान करने पास जेसीबी जुड़े विभागों के साथ ही वन व राजस्व विभाग को यात्रा मार्गों से सटे वैकल्पिक मार्गों को चिन्हित कर झाड़ुयां काटने के साथ ही मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सभी हेलीपैडों की स्थिति की जानकारी लेने, वहां तक जाने वाले रास्तों को

पैकेट, पेयजल की व्यवस्थाएं सुचारु रखने के निर्देश दिए। सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व बीडीओ को आपदा से संवेदनशील क्षेत्रों के समस्त सड़क मार्गों व पैदल मार्गों की जानकारी एकर्त करने, जनपद के ऐसे स्कूल को चिन्हित किया जाए जहां आपदा की स्थिति में आम जनमानस को ठहराया जा सके। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के साथ ही वन व राजस्व विभाग को यात्रा मार्गों से सटे वैकल्पिक मार्गों को चिन्हित कर झाड़ुयां काटने के साथ ही मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सभी हेलीपैडों की स्थिति की जानकारी लेने, वहां तक जाने वाले रास्तों को



कई लोगों ने सड़क किनारे फुटपाथ वाले स्थान पर स्लैब का निर्माण करवा दिया है। आगे भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा।

आपातकाल में

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: भारतीय जनता पार्टी की ओर से आपातकाल के दौरान जेल जाने वालों के स्वजनों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने आपातकाल को लोकतंत्र पर काला धब्बा बताया। आपातकाल के पचास वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्णवाल व ऋषि कंडवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आतंकिक आर्शाति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। वह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि न्यायपालिका द्वारा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में

शिविर में 48 लोगों ने किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार: भारतीय स्टेट बैंक व आधारशिला के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 48 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के प्रति भी जागरूक किया गया। बुधवार को देवीरोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ बैंक प्रबंधक शशांक अग्निहोत्री व जौलीग्रांट स्थित



देवीरोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक परिसर म रक्तदान करते हुए रक्तदाता

हिमालयन चिकित्सालय के जनसंपर्क अधिकारी सुधीर जोशी ने किया। बैंक प्रबंधक शशांक अग्निहोत्री ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के 70 वर्ष पूरे होने पर पूरे भारत में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, देवीरोड

स्थित बैंक शाखा परिसर में भी रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें जौलीग्रांट स्थित हिमालयन चिकित्सालय के चिकित्सकों व तकनीशियनों के माध्यम से रक्त एकत्रित किया गया। कहा कि रक्तदान शिविर में 60 लोगों ने

रजिस्ट्रेशन करवाया, जिसमें से 48 लोगों को रक्तदान के लिए उपयुक्त पाया गया। इस मौके पर आधारशिला समूह के दलजीत सिंह, डा. रैलिका नौटियाल, हिमांशु रावत, मनोज रावत मौजूद रहे।

जेल जाने वालों के स्वजनों को किया सम्मानित



आयोजित कार्यक्रम में स्व.बुजमोहन गोयल के पुत्र राकेश गोयल को सम्मानित करते भाजपा पदाधिकारी

लिया गया था। भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक

कर्मचारियों को पांच माह से नही मिला वेतन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला है। आंत्रेकीत कर्मचारियों ने विभाग को पत्र भेजते हुए जल्द वेतन देने की मांग की है। कहा कि वेतन नहीं मिलने से उनके परिवार के समक्ष कई समस्याएं खड़ी होने लगी हैं।

बुधवार को पीआरडी कर्मियों ने स्वास्थ्य विभाग को जापन भेजा। कहा कि लगातार मेहनत व परिश्रम करने के बाद भी उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। वेतन न मिलने से उन्हें परिवार का भरण पोषण करना चुनौती बन गई है। सबसे अधिक परेशानी किएए के कमरों में रहने वाले कर्मचारियों को हो रही है। बताया कि इस संबंध में वह पूर्व में जिलाधिकारी को भी पत्र भेज चुके हैं। लेकिन, अब तक वेतन नहीं दिया गया है। इस मौके पर अमित रावत, अरारी बिष्ट, अनिल शर्मा, दीपा अस्वाल, निर्मला रावत, नीलम नेगी, शैलेंद्र, अर्जुन ने आदि मौजूद रहे।

अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता और वंशवाद की राजनीति के अस्तित्व पर संकट होता है। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल के दौरान जेल गए, स्व.रामचंद्र वर्मा के पुत्र कैलाश वर्मा, अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता और वंशवाद की राजनीति के अस्तित्व पर संकट होता है। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल के दौरान जेल गए, स्व.गोपीचंद सचदेवा की पुत्र वधु सुरभी सचदेवा व स्व.बुजमोहन गोयल के पुत्र राकेश गोयल को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मोहन सिंह नेगी, विकास दीप मित्तल, उमेश त्रिपाठी, आशीष रावत, सुरेन्द्र आर्य आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे
ई—नीलामी सूचना
 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुसदाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, मेडिकल आउटलेट, पूजा सामग्री कीओरक, रेल कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेटेट कीकल एवं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधी केंद्र के ठेकों तथा निैधारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रुम के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई—बीलियर्स website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 11.07.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
1902/2025

उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लि.

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉर्पोरेट आईडेंटिटी संख्या: U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेंस प्राप्त (आयकर, जी.एस.टी., व ई.पी.एफ. में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दूरे जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 15.07.2025 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समुच्च अपोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अपोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 14.07.2025 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अपोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो आगे कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अपोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रु.)
09/ 2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन कोटद्वार में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	24000.00
10/ 2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन बलभद्रपुर में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	18000.00
11/ 2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन गिर्वाईस्रोत में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	24000.00
12/ 2025-26	₹500/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन धुधपुर में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	23500.00
13/ 2025-26	₹250/-	वि.वि.उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन सिगड्डी में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	18500.00
14/ 2025-26	₹500/-	वि.वि. उपखण्ड तृतीय, जयहरिखाल के अन्तर्गत ग्राम जाख में सोलर पॉवर प्लांट के विद्युतीकरण हेतु लाइन निर्माण का कार्य।	24000.00

पत्रांक: 1264/विखिको/टी-6

दिनांक: 25.06.2025

अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं।
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/ फैंकस संख्या-0 135-2760 911 पर दें।)

संक्षिप्त समाचार

व्यापारियों को बताए जीएसटी पंजीकरण के फायदे

देहरादून। राज्य कर विभाग की ओर से राजेंद्रनगर व्यापार संघ, कृष्णनगर व्यापार संघ और सैय्यद मोहल्ल दुकानदार समिति के साथ जागरूकता बैठक की गई। इसमें व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण के फायदे बताए गए। साथ ही जीएसटी को लेकर संशय को भी दूर किया गया। जीएस्टी की ओर से डिप्टी कमिश्नर विजय कुमार और प्रकाश शुक्ला ने व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण की व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को भी समझाया। इस मौके पर व्यापारियों ने जीएसटी को लेकर अपनी समस्याओं को भी रखा और अफसरों से सवाल भी पूछे। जिनका समाधान मौके पर जीएसटी अफसरों ने किया। साथ ही बताया कि जीएसटी को पूरी प्रक्रिया काफी आसान है और इसमें टैक्स की गणना करना कोई उलझन भरा काम नहीं है। इस मौके पर असिस्टेंट कमिश्नर अश्वनी पांडे, पुनम राजपुत, एसटीओ रघुवीर सिंह, गर्जेन्द्र भंडारी ने भी व्यापारियों को जीएसटी के बारे में जानकारी दी। बैठक में राजेंद्र नगर व्यापार संघ के अध्यक्ष डीडी अरोड़ा, महामंत्री हरिश गुप्ता, कृष्णनगर दुकानदार समिति के अध्यक्ष प्रेम भाटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, सैय्यद मोहल्ल दुकानदार समिति के महामंत्री इलियास अहमद के अलावा आरपी डामा, प्रवीन चौरसिया, राज कुमार गोयल समेत अन्य मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के ठेकेदार बंद करंगे काम

देहरादून। देवभूमि जल शक्ति कांटेक्ट्रक्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने जल जीवन मिशन के कार्यों को बंद करने की चेतावनी दी। पेयजल योजनाओं के निर्माण का भुगतान न किए जाने पर विरोध जताया। अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने सचिव पेयजल शैलेश बगोली को भेजे पत्र में तत्काल योजनाओं का भुगतान करने को दबाव बनाया। कहा कि एसोसिएशन ने तय किया है कि बकाया भुगतान न होने पर ठेकेदार अब आगे काम नहीं करेंगे। कहा कि तीन दिन के भीतर भुगतान न किए जाने पर ऑंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कोई शासन स्तर से भुगतान का कोई प्रयास नहीं किया गया। ऐसे में मजबूरन काम बंद कर दिया जाएगा। उपाध्यक्ष सचिन मिश्रा ने बताया कि शासन की ओर से वार्ता को बुलाया गया है। वार्ता में कोई सकारात्मक निर्णय न निकलने पर सीधे आंदोलन खड़ा कर दिया जाएगा। भुगतान न होने पर काम बंद कर दिया जाएगा।

रेशम फेडरेशन ने कमाया एक करोड़ का मुनाफा

देहरादून। उत्तराखंड कोऑपरेटिव रेशम फेडरेशन ने इस साल एक करोड़ का मुनाफा कमाया। दून सिल्क ब्रांड नाम से 2.34 करोड़ के रेशमी उत्पाद बेचे गए। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि रेशम फेडरेशन ने कम्प्लीट वैल्यू चेन प्रणाली लागू होने से फेडरेशन की व्यावसायिक गतिविधियों को बल मिला है। इससे रेशमी उत्पादों के निर्माण, वित्त्र में वृद्धि हुई। इसके अलावा कम्प्लीट वैल्यू चेन के जरिये धागा निर्माण, डिजाइनिंग, पैकेजिंग और विपणन आदि क्षेत्रों पर भी फोकस किया गया। 1500 किलो रेशम धागा का उत्पादन किया गया। बुनकरों, टिक्मस्ट्यों और समूहों ने बड़े पैमाने पर रेशम वस्त्रों का उत्पादन किया। फेडरेशन ने इन्हें अपने ब्रांड हट्टून सिल्क के रिटेल कालंटेंटों पर बेचा। बताया कि प्रदेश में 6500 से अधिक शहत्तूती रेशम कीटपालक कीटपालन का काम कर रहे हैं। फेडरेशन की प्राथमिक सहकारी समितियों के 80 फीसदी कीटपालक हर साल तीन लाख किलो रेशम कोश्या उत्पादित किया जा रहा है। फेडरेशन से 5501 लाभार्थी जुड़े हैं। फार्म टू फैब्रिक परियोजना में देहरादून, हरिद्वार में 200 लाभार्थियों का चयन किया गया है। लाभार्थियों को कीटपालन गृह निर्माण को शत-प्रतिशत सब्सिडी के रूप में 1.12 लाख की धनराशि दी जा रही है।

एक अप्रैल 2026 से पंचायतीराज विभाग जिम्मेदारी उठाएगा। कैबिनेट में पेयजल विभाग की ओर से ये प्रस्ताव लाया गया स्वच्छ भारत मिशन प्राथम्य तृतीय चरण के स्वच्छ होने पर इसके त्रिमान्वयन को पंचायतीराज विभाग को कैबिनेट ने अधिकृत किया।

डीएम आवास में लगा स्मार्ट विद्युत मीटर



चमोली। बिजली उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी संदीप तिवारी के शासकीय आवास में स्मार्ट विद्युत मीटर स्थापित कर दिया गया है।

स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत की रीयल टाइम निगरानी कर सकेंगे, जिससे विद्युत उपभोग में पारदर्शिता के साथ-साथ ऊर्जा ज़िम्मेदार विद्युत उपभोग की दिशा में जानकारी देते हुए बताया कि इसी तर्ज पर जनपद के सभी शासकीय आवासों एवं कार्यालयों में चरणबद्ध रूप से स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे स्मार्ट मीटर को अपनाएं, ताकि पारंपरिक मीटरिंग प्रणाली से हटकर एक आधुनिक, सटीक और जिम्मेदार विद्युत उपभोग की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिलों में पारदर्शिता आयेगी वही उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत का अंकलन कर सकेंगे, जिससे ऊर्जा की अनावश्यक बर्बादी को रोका जा सकेगा।

उपभोग में पारदर्शिता के साथ-साथ ऊर्जा ज़िम्मेदार विद्युत उपभोग की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिलों में पारदर्शिता आयेगी वही उपभोक्ता अपनी विद्युत खपत का अंकलन कर सकेंगे, जिससे ऊर्जा की अनावश्यक बर्बादी को रोका जा सकेगा।

प्रशासन का लक्ष्य, हर घर तक शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति : डीएम



अवरूद्ध न हो। हर घर तक निर्बाध रूप से स्वच्छ पानी की सप्लाई जारी रहे। सभी जल स्रोत और टैंकों का नियमित क्लोरिनेशन के साथ पानी की गुणवत्ता को मॉटेन किया जाए। उन्होंने पेयजल से

जुड़े विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की शिकायत मिलते ही उसी दिवस उसका समाधान कर लिया जाए। कहा कि हमारा लक्ष्य हर घर तक शुद्ध पेयजल की प्रतिदिन निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना

नीलम थपलियाल को मिला ग्रीन एनवायरमेंट अवार्ड

देहरादून। डीएसए ऋषिकेश की प्रधानाचार्या नीलम थपलियाल को एपीजे अब्दुल कलाम ग्रीन एनवायरमेंट प्रमोशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय और थाईलैंड के सुआन सुनंद विवि की ओर से बैकक में आयोजित सम्मेलन के दौरान उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया। विदित है कि नीलम थपलियाल धाद संस्था से जुड़ी हुई हैं और पर्यावरण संरक्षण के साथ ही उत्तराखंड की परंपराओं से वह लंबे समय से जुड़ी हुई हैं। नीलम थपलियाल ने बताया कि सम्मेलन में भागना एक और भाजपा यूसीसी कानून का गाना गा रही है, वही उसी की पार्टी के पूर्व विधायक सुरेश राठौर प्रकरण ने भाजपा के झूठ और नैतिकता की पोल खोल कर रख दी है।

पंचायत चुनाव मानसून

सीजन के बाद हों: जुगरान

देहरादून। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद के पूर्व अध्यक्ष रवींद्र जुगरान ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सभी राजनीतिक दलों और पक्षकारों से विचार- विमर्श के बाद मानसून सीजन के बाद कराए जाने पर सहमति बनानी चाहिए। जुगरान ने कहा कि चूंकि अभी यह मसला हाईकोर्ट में लंबित है, इसलिए न्यायालय को भी मानसून सीजन में चुनाव ना कराने का सुझाव देना चाहिए। कहा कि राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियां हैं और मानसून सीजन में नदी-नाले उफान पर रहते हैं।

इसके साथ ही राज्य में भूखलन व बादल फटने की घटनाओं में बीते वर्षों में इजाफा भी हुआ है। इससे आम जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों की जान माल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, चुनाव तो बरसात बाद भी हो सकते हैं।

इसके साथ ही राज्य में भूखलन व बादल फटने की घटनाओं में बीते वर्षों में इजाफा भी हुआ है। इससे आम जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों की जान माल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, चुनाव तो बरसात बाद भी हो सकते हैं।

अजबपुर कला एवं मोथरोवाला में पानी की समस्या पर अधिवासी अभियंता ने बताया कि गेल कंपनी के निर्माण कार्यों के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिस कारण एनएचसी कॉलोनी और बैंक कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति बाधित रही। क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन की मरम्मत करते हुए पेयजल सप्लाई सुचारु कर दी गई है। लो प्रेशर के कारण कुछ घरों में कम पानी पहुंचने पर टैंकर के माध्यम से भी आपूर्ति कराई जा रही है।

वहीं गंगा एनक्लेव में पेयजल की शिकायत पर बताया कि विद्युत केबल बिछाने के दौरान पानी की लाइन टूट गई थी। जिस कारण एकता विहार नलकूप को बंद करना पड़ा था। पेयजल लाइन की मरम्मत करने के बाद पानी की सप्लाई सुचारु कर दी गई है।



बाइक रैली निकालकर पुलिस ने नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक
हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद सिंह डोवाल के निर्देश पर पुलिस ने बुधवार को जागरूकता बाइक रैली निकाली। रैली से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताकर उनसे नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। रैली को शुभारंभ पुलिस अधीक्षक नगर पंकज गैरोला ने ऋषिकुल मैदान से हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में शहर क्षेत्र के विभिन्न थानों तथा चौकीयों से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी बाइक और स्कूटी पर सवार होकर शामिल हुए। रैली ऋषिकुल मैदान से देवपुर चौक, शिवमूर्ति चौक, वाल्मीकि चौक, पोस्ट ऑफिस से अपर रोड से होकर हस्की पैर्ग मार्ग से होकर गुजरी। इस दौरान लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

चमोली के बंधक को छुड़ाने बलूनी ने पंजाब के राज्यपाल से की बात

देहरादून। सालों से पंजाब के तन तान जिले में बंधक बनाए गए नारगणबगड़ (चमोली) के एक युवक को छुड़ाने के लिए बुधवार को गढ़वाल सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटरिया से फ़ोन पर बात की। उन्होंने राज्यपाल से संबंधित युवक को उनके घर नारगणबगड़ सकुशल पहुंचाने का भी अनुरोध किया। राज्यपाल कटरिया ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की और इस घटना की पूरी जांच शीघ्र कराने के लिए आश्चर्य बलूनी ने बताया किमुझे सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो मिला है जिसमें बताया गया है कि उत्तराखंड के नारगणबगड़ (चमोली) का एक नौजवान राजेश लाल पंजाब के किसी जगह पर एक गैशाला मालिक ने पंद्रह साल से बंधुआ मजदूर बनाकर रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने इस युवक को मुक्त कराने और मदद करने की गुहार की

जा रही है। जैसे ही यह मसला सांसद बलूनी के संज्ञान में आया, तो उन्होंने पंजाब के राज्यपाल कटरिया से बात कर युवक को रिहा कराने का आग्रह किया। उन्होंने राज्यपाल से संबंधित युवक को उनके घर नारगणबगड़ सकुशल पहुंचाने का भी अनुरोध किया। राज्यपाल कटरिया ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की और इस घटना की पूरी जांच शीघ्र कराने के लिए आश्चर्य बलूनी ने बताया किमुझे सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो मिला है जिसमें बताया गया है कि उत्तराखंड के नारगणबगड़ (चमोली) का एक नौजवान राजेश लाल पंजाब के किसी जगह पर एक गैशाला मालिक ने पंद्रह साल से बंधुआ मजदूर बनाकर रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने इस युवक को मुक्त कराने और मदद करने की गुहार की

दंत चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता और मानकीकरण पर बीआईएस का सशक्त संवाद



अपनों एवं हमेंक इन इंडियाह अभियान का जयवृत्ती देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में शोभाराम प्रजापति, राज्य मंत्री (माटी कला बोर्ड, उत्तराखंड) एवं भगत भूषण, अध्यक्ष (रूड़की स्मॉल स्केल

स्वागत संबोधन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया कि दंत चिकित्सा उपकरणों में मानकों का अनुपालन रेगी- सुरक्षा, जैव-संगतता और वैश्विक गुणवत्ता सुनिश्चित करता है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने जीवन रक्षक उपकरण,उन्नत निदान उपकरण,सहायक प्रौद्योगिकी के बारे में भी चर्चा की और सरल, डिजिटल और उद्योग-अनुकूल प्रमाणन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में 60 से अधिक दंत उपकरण निर्माता, आपूर्तिकर्ता, एवं शैक्षणिक/सरकारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने बीआईएस विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष संवाद कर तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इंडस्ट्रीज़) ने भी सहभागिता की और एमएसएमई को बीआईएस प्रमाणन से होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। बीआईएस देहरादून के निदेशक एवं प्रमुख सौरभ तिवारी ने सभी अतिथियों के

गुरखार को चार घंटे बंद रहेगा बदरीनाथ हाईवे



प्रशासन ने तोताघाटी के पास संकरे मार्ग को चौड़ा करने के साथ पहाड़ी से बोल्टर हटाने का काम किया जाएगा। गुरखार तड़के चार बजे से पुलिस भद्रकाली से रूट डायवर्ट करेगी। वाहनों को नरेन्द्रनगर-खाड़ी होकर देवप्रयाग से श्रीनगर भेजा जाएगा। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरखार को संकरे मार्ग को चौड़ा करने के साथ पहाड़ से बोल्टर हटाने का काम होगा। इसलिए सुबह 5 से 9 बजे तक मार्ग बंद रहेगा।

बीते कुछ दिनों से पहाड़ में लगातार बारिश हो रही है, जिससे पहाड़ी से बोल्टर गिरने का खतरा बना हुआ है। टिक्री

बारिश के चलते पहाड़ी से बोल्टर गिरने के साथ मलबा सड़क पर गिर रहा है, जिसके चलते कई स्थान पर मार्ग संकरा हो गया है। जिससे वाहनों का जाम भी लग रहा है। एसएसपी टिक्री ने मुनिकीरती,देवप्रयाग एवं नरेन्द्रनगर पुलिस को रूट डायवर्ट के आदेश भी कर दिये हैं।

कांग्रेस ने पंचायत चुनाव की आशंकाओं को आयोग के सामने रखा

देहरादून। कांग्रेस ने पंचायत चुनाव को लेकर अपनी आशंकाओं को राज्य निर्वाचन आयुक्त के समुख रखा। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी की बात उठाई। साथ ही पंचायत चुनाव को लेकर बनी असमंजस की स्थिति को दूर करने की मांग की। साथ ही मतदान और मतगणना प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग रखी। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा की अनुमति से कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को देहरादून में राज्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात की। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि इस साल जनवरी में चुनाव चुनाव का उद्घाटन देते हुए कहा कि उस दौरान वोटर लिस्ट में तमाम गड़बड़ियों सामने आई थी। ऐसी ही स्थिति

पंचायत चुनाव में भी सामने आ सकती है। क्योंकि बड़ी संख्या में ग्रामीण वोटों के नाम पंचायत की मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल अप्रैल में हुए लोकसभा चुनावों में उत्तराखंड में 84 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता थे, जबकि शहरी निकाय और अब पंचायत चुनावों में कुल मतदाता संख्या लगभग 78 लाख के आसपास ही सीमित रह गई है। उन्होंने मतदाताओं की कम संख्या को भी वोटर लिस्ट से नाम गायब होने से जोड़ा है। आयुक्त को ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री गोदावरी थापली, विरेंद्र पोखरियाल, संजय किशोर, महिपाल शाह, नीरू सहगल, प्रवीन त्यागी, मोहित नेगी, अश्वनी बहुगुणा, वीनती

पंचायतीराज को स्वच्छ भारत

मिशन का जिम्मा देने का विरोध देहरादून। पंचायतीराज विभाग को स्वच्छ भारत मिशन की जिम्मेदारी देने के कीबरेट के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। स्वजल कर्मचारी संघ ने इस फैसले को कर्मचारी विविध फैसला करार दिया। सरकार से तत्काल इस फैसले को वापस लेने की मांग की। कर्मचारी संघ के महामंत्री अरविंद पाल ने कहा कि दावत से भी अधिक समय से स्वजल कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राजीव गांधी पेयजल कार्यक्रम, रथेय प्रोग्राम से लेकर जल जीवन मिशन कार्यक्रम में लगातार कर्मचारी साल दर साल अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। पेयजल योजनाओं के त्रिमान्वयन के साथ ही हर घर शोशल योजना का सफल त्रिमान्वयन कराया। राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड की पहचान बनाई। इसके बावजूद स्वजल कर्मचारियों के भविष्य पर संकट खड़ा कर दिया गया है। कहा कि स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम की जिम्मेदारी पंचायतीराज विभाग को मिलते ही स्वजल कर्मचारियों के पास कोई काम नहीं रहेगा। पहले भी मई 2024 से एक साल से स्वजल कर्मचारी बिना वेतन के काम कर रहे हैं। सरकार ने स्वजल कर्मचारियों को 31 मई 2026 तक सेवा विस्तार दिया है,

की कविता, उठो उठो उल्टी धारा को मोड़ो... धर्मवीर भारती की मुनादी धर्मयुग में छपी। दुष्यंत कुमार की रचना ने संदेश दिया, यहां दरख्तों के राकेटों में धूप लगती है..आदि देश भर के संकर्मों, संस्कृति कर्मों एक जुट थे। बहरहाल ये डरवना दौर था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित न जाने कितने लोग गिरफ्तार किये गये। दूर में वेद उनियाल ने एक लेख लिखा। जिसके अनुसार, सर्वोदय जेपी समर्थकों की गुप्त बैठकें जनकवि डॉ. अतुल शर्मा के घर होती थी। जिसमें जयप्रकाश नारायण के साथी कवि श्रीराम शर्मा प्रेम भी जेपी की तरह उपस्थित

कोरोनेशन जिला अस्पताल में ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू

देहरादून। कोरोनाशन जिला अस्पताल में ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू हो गई है। यहां पार्किंग की परेशानी से अब काफी हद तक राहत मिलेगी। अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्स और स्टाफ के लिए ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए दो तकनीशियन भी तैनात कर दिए गए हैं। स्टाफ के वाहनों के लिए पार्किंग का स्थान मिलने से यहां आम लोगों को वाहनों खड़े करने के लिए अतिरिक्त स्थान मिल पाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शहर में पार्किंग की समस्या के हल के लिए कई स्थानों पर ऑटोमेटेड पार्किंग की व्यवस्था करवाई है। इसमें कोरोनाशन अस्पताल भी शामिल है, जहां इसे विधिवत संचालित किया जाने लगा है।

कोरोनेशन अस्पताल के अलावा परेड ग्राउंड और तिब्बती मार्केट में भी ऑटोमेटेड पार्किंग तैयार की गई है। इसका भी ट्रायल हो चुका है और जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इसका विधिवत शुभारंभ करेंगे। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि तीनों स्थानों पर ऑटोमेटेड पार्किंग शुरू होने पर 244 वाहनों को पार्क करने की व्यवस्था हो जाएगी। साथ ही वाहन पार्किंग के लिए अतिरिक्त जगह भी मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि दून में पार्किंग की समस्या के हल के लिए ऑटोमेटेड पार्किंग काफी उपयोगी होगी, क्योंकि इसे काफी कम जगह पर बनाया जा सकता है, साथ ही जरूरत पड़ने पर इसे दूसरे स्थान भी शिफ्ट किया जा सकता है।